High School Model Paper 2021

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

निर्देश: (i) नवीनतम् पाठ्यक्रम और प्रारूप के अनुसार केवल एक प्रश्न-पत्र पूर्णांक-70 अंकों का होगा।

(ii) समय 3 घण्टे 15 मिनट होगा। जिसमें आरम्भ के 15 मिनट प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए होंगे।

(iii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

प्र०1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए: 1

(i) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद एक कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'क्या लिखूँ?' के लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।

(iii) 'ध्रुवस्वामिनी' जयशंकर प्रसाद की रचना है।

(iv) मुंशी प्रेमचन्द एक समालोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए: 1

(i) 'सन्यासी' (ii) 'रसमीमांसा'

(iii) 'बिखरे पन्ने' (iv) 'आत्मकथा'

(ग) 'माटी की मूरतें' किस विधा की रचना है? 1

(घ) डायरी विधा के किसी लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) समालोचना विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए। 1

प्र०2. (क) 'रीतिबद्ध' कवियों में से किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए। 2

(ख) निम्नलिखित रचनाओं में से किन्हीं दो रचनाओं के रचनाकार के नाम लिखिए: 2

(i) 'पलाशवन' (ii) 'पल्लव'

(iii) 'पंचवटी' (iv) 'परशुराम की प्रतिज्ञा'

(ग) नयी कविता के किसी एक कवि का नाम लिखिए। 1

प्र०3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=6

(क) जिन्दगी को मौत के पंजों से मुक्त कर उसे अमर बनाने के लिए आदमी ने पहाड़ काटा है। किस तरह इन्सान की खूबियों की कहानी सदियों बाद आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचायी जाए, इसके लिए आदमी ने कितने ही उपाय सोचे और किए। उसने चट्टानों पर अपने संदेश खोदे, ताड़ों से ऊँचे, धातुओं से चिकने पत्थर के खम्भे खड़े किए, ताँबे और पीतल के पत्तरों पर अक्षरों के मोती बिखेरे और उसके जीवन-मरण की कहानी सदियों के उतार पर सरकती चली आई, चली आ रही है, जो आज हमारी अमानत-विरासत बन गई है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इन्सान की खूबियों को अगली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए

आदमी ने कौन-कौन से उपाय किए?

(ख) मैं तो यही समझता हूँ कि यदि हमें अपने समाज और देश में उन सब अन्यायों और अत्याचारों की पुनरावृत्ति नहीं करनी है, जिनके द्वारा आज के सारे संघर्ष उत्पन्न होते हैं, तो हमें अपनी ऐतिहासिक, नैतिक चेतना या संस्कृति के आधार पर ही अपनी आर्थिक व्यवस्था बनानी चाहिए, अर्थात् उसके पीछे वैयक्तिक लाभ और भोग की भावना प्रधान न होकर वैयक्तिक त्याग और सामाजिक कल्याण की भावना ही प्रधान होनी चाहिए। हमारे प्रत्येक देशवासी को अपने सारे आर्थिक व्यापार उसी भावना से प्रेरित होकर करने चाहिए। वैयक्तिक स्वार्थों और स्वत्त्वों पर जोर न देकर वैयक्तिक कर्तव्य और सेवा निष्ठा पर जोर देना चाहिए और हमारी प्रत्येक कार्यवाही इसी तराजू पर तौली जानी चाहिए।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) हमारे देशवासियों के आर्थिक व्यापार किस भावना से प्रेरित होने चाहिए?

प्र०4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए: 1+4+1=6

(क) चरण-कमल बन्दौं हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघे, अन्धे कौं सब कुछ दरसाइ।।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बन्दौं तिहिं पाइ।।

(ख) मेवाड़-केसरी देख रहा,
केवल रण का न तमाशा था।
वह दौड़-दौड़ करता था रण,
वह मान-रक्त का प्यासा था।।
चढ़कर चेतक पर घूम-घूम,
करता सेना रखवाली था।
ले महामृत्यु को साथ-साथ,
मानो प्रत्यक्ष कपाली था।।

प्र०5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए: 2+1=3

(i) डॉ० भगवत शरण उपाध्याय (ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी एक रचना का नाम लिखिए: 2+1=3

(i) रसखान (ii) तुलसीदास

(iii) बिहारी लाल

प्र०6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 1+3=4

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां-नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति। एतस्या गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः, विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति।

अथवा

माता गुरुतरा भूमे, खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात्, चिन्ता बहुतरी तृणात्।।

प्र०7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 1+1=2

(i) वाराणसी नगरी कस्याः कूले स्थिता?

(ii) वीरः केन पूज्यते?

(iii) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्ता भवति?

(iv) भारतीय संस्कृतिः की दृशी वर्तते?

प्र०8. (क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए: 2

सोक बिकल सब रोवहिं रानी। रूपु सीलु बलु तेजु बखानी।।
करहिं बिलाप अनेक प्रकार। परहिं भूमितल बारहिं बारा।।

अथवा

हास्य रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

(ख) उत्प्रेक्षा अथवा उपमा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए। 2

(ग) निम्नलिखित में प्रयुक्त छन्द को पहचान कर लिखिए: 2

बंदउँ मुनि पद कंजु रामायन जेहिं निरमयउ।
सखर सुकोमल मंजु दोष रहित दूषन सहित।।

प्र०9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए: 1+1+1=3

(i) अप (ii) अनु

(iii) निर् (iv) अभि

(v) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग कर एक-एक शब्द बनाइए: 1+1=2

(i) वट (ii) पन

(iii) त्व (iv) आई

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं एक समास की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए: 1+1=2

(i) द्विग समास (ii) द्वन्द्व समास

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए: 1+1=2

(i) नेह (ii) किरपा

(iii) निरगुन (iv) सावन

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: 2

(i) आग (ii) ब्रह्मा

(iii) हवा (iv) कृष्ण

प्र०10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए: 1+1=2

(i) गुरु + आदेश: (ii) अभि + उदय:

(iii) इति + आदि (iv) सु + आगतम

(ख) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन के रूप लिखिए: 1+1=2

(i) नदी **अथवा** मधु (ii) अस्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरूष तथा वचन लिखिए: 2

(i) अपठाम (ii) हसे:

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 1+1=2

(i) व्यक्तिगत स्वार्थ से देश-हित बड़ा होता है।

(ii) चन्द्रमा का उदय हो रहा है।

(iii) विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए।

(iv) वाराणसी गंगा के पावन तट पर स्थित है।

प्र०11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: 6

(i) व्यावसायिक शिक्षा का महत्व

(ii) किसी यात्रा का वर्णन

(iii) जीवन में परोपकार का महत्व

(iv) स्वदेश-प्रेम

प्र०12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके छठे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।